

2301001201010531
EXAMINATION MARCH –APRIL 2024
BACHELOR OF ARTS (NCF-NEP)(NON-NEP)
(FIRST SEMESTER)
MAJOR - I : HINDI - I (HINDI KAVYA - ' SANJIVANI ' -
SOHANLAL DRIVEDI) - LEVEL 1)

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks: 50]

Instructions:

1. Fill up strictly the following details on your answer book

- a. Name of the Examination : **BACHELOR OF ARTS (NCF-NEP)&(NON-NEP)(FIRST SEMESTER)**
 - b. Name of the Subject : **HINDI - I (HINDI KAVYA - SANJIVANI - SOHANLAL DRIVEDI)**
 - c. Subject Code No : **2301001201010531**
2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.
 3. Figures to the right indicate full marks of the question.
 4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

Q.1 निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर दीजिए [12 में से 10]

10

1. सोहनलाल द्विवेदी की काव्य साधना का आरंभ कब से माना जाता है ?
 - a. 1924
 - b. 1912
 - c. 1921
 - d. 1931
2. शुक्राचार्य का आश्रम कौन-सी नगरी में था ?
 - a. पर्वी
 - b. सुरपुर
 - c. रामपुर
 - d. वृषपर्वा
3. कच - देवयानी की गाथा किसने वर्णित है ?
 - a. पुराणों में
 - b. गीता में
 - c. रामायण में
 - d. वेद में

c. अग्नि का

d. जल का

12. 'संजीवनी' का मुख्य रस कौन-सा है ?

a. शृंगार

b. शांत

c. वीर

d. करुण

Q.2 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्तमे उत्तर लिखिए ।

10

1. कच देवयानी को क्या शाप देता है ?
2. देवताओं को किस बात की चिंता थी ?
3. कच किस मंत्र से, किसको पुर्नजीवन देता है ?
4. देवयानी को कच का क्या आकर्षित कर जाता है ?
5. देवयानी कच को क्या शाप देती है ?

Q.3 'संजीवनी' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

10

अथवा

खंडकाव्य की परिभाषा स्पष्ट करते हुए, उनके लक्षणों पर प्रकाश डालिए ।

Q.4 कच की चरित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

10

अथवा

एक गतिशील पात्र के रूप में देवयानी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Q.5 अ) टिप्पणी लिखिए [किन्हेँ एक]:

05

1. 'संजीवनी' में संवाद
2. शुक्राचार्य का चरित्र

1. "सूर्य से देखा गया न द्रश्य,
तिमिर का अंचल मुख पर तान,
मलिन मुख अस्ताचल की और
कर गया दिन में ही प्रस्थान।"

2. "दिया तुमको संजीवनी मंत्र
युगों की संचित निधि दुर्भेध
मृतक में करो प्रतिठि प्राण,
सृष्टि को मिले सृजन नैवेद्य" ।
